भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए 32वाँ साप्ताहिक परामर्श, 26 दिसम्बर 2023 से 1 जनवरी, 2024 तक

हरियाणा		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसम्बर					दिसम्बर/ जनवरी				
		22	23	24	25	26	28	29	30	31	01
	हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जींद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

हिसार और सिरसा के सभी खेतों में चुनाई का काम पूरा हो चुका है।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे उखाड़े गए कपास के डंठलों को खेत की मेड़ों पर इकट्ठा न करें। कपास के डंठलों का उपयोग जलाऊ लकड़ी के रूप में किया जा सकता है या ट्रैक्टर चालित श्रेडर का उपयोग करके इसे छोटे छोटे टुकड़ों में कतरा जा सकता है ताकि गुलाबी सूँडी की आबादी को नष्ट किया जा सके। खेतों से रोगग्रस्त बीजकोषों और संक्रमित फसल के अवशेषों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

राजस्थान		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसम्बर					दिसम्बर/ जनवरी				
		22	23	24	25	26	28	29	30	31	01
	अजमेर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जोधपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	नागौर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	पाली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	श्री गंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) और श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में कपास की चुनाई पूरी हो चुकी है।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे उखाड़े गए कपास के डंठलों को खेत की मेड़ों पर इकट्ठा न करें। कपास के डंठलों का उपयोग जलाऊ लकड़ी के रूप में किया जा सकता है या ट्रैक्टर चालित श्रेडर का उपयोग करके इसे छोटे छोटे टुकड़ों में कतरा जा सकता है ताकि गुलाबी सूँडी की आबादी को नष्ट किया जा सके। खेतों से रोगग्रस्त बीजकोषों और संक्रमित फसल के अवशेषों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसम्बर					दिसम्बर/ जनवरी				
		22	23	24	25	26	28	29	30	31	01
	खरगाँव										
	धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में फसल लगभग पूरी हो चुकी है।बचे हुए कुछ खेतों में चुनाई का काम प्रगति पर है

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि कपास के बीज चुनते समय उचित सावधानी बरतें। तेज धूप में ओस सूखने के बाद ही चुनाई शुरू करनी चाहिए। आंशिक रूप से खुले, अविकसित बीजकोष या नमी वाले गूलरों को नहीं तोड़ना चाहिए। फसल 180 दिन की हो जाने पर समाप्त कर दें।कपास चुनने के बाद उसे साफ कपड़े या तिरपाल पर रखना चाहिए। कपास चुनते समय सूखी पत्तियों के टुकड़ों, डंठलों और मिट्टी के संदूषण से बचें। नमी की मात्रा को कम करने के लिए धूप में फैलाएं अन्यथा, अतिरिक्त नमी कपास के साथ-साथ बीज की गुणवत्ता को भी नुकसान पहुंचाती है। चुनी हुई कपास का बाद में आवश्यकतानुसार भण्डारण करें। खेतों से डंठलों को नष्ट कर दें और खेतों में डंठलों का ढेर लगाने से भी बचें। 180 दिन के बाद फसल को खेतों में न रखें।

कपास उत्पादन तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी, जैसे कि मिट्टी, किस्मों, उर्वरक आवेदन, बुवाई के तरीकों, सिंचाई प्रणालियों, खरपतवारों, कीटों और बीमारियों के प्रबंधन आदि को भाकृअनुप –केकअनुसं, नागपुर द्वारा विकसित एंड्रॉइड आधारित **सीआईसीआर कॉटन ऐप** द्वारा ली जा सकता है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से बिना किसी शुल्क के डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसल विकास चरण विशिष्ट और मौसम आधारित साप्ताहिक सलाह को भाकृअनुप –केकअनुसं की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है, ताकि किसानों के लाभ के लिए परामर्श दिया जा सके ।